बोलने वाली गुफा

किसी जंगल में एक शेर रहता था। एक बार वह दिन-भर भटकता रहा, किंतु भोजन के लिए कोई जानवर नहीं मिला। थककर वह एक गुफा के अंदर आकर बैठ गया। उसने सोचा कि रात में कोई न कोई जानवर इसमें अवश्य आएगा। आज उसे ही मारकर मैं अपनी भूख शांत करुँगा।

उस गुफा का मालिक एक सियार था। वह रात में लौटकर अपनी गुफा पर आया। उसने गुफा के अंदर जाते हुए शेर के पैरो के निशान देखे। उसने ध्यान से देखा। उसने अनुमान लगाया कि शेर अंदर तो गया, परंतु अंदर से बाहर नहीं आया है। वह समझ गया कि उसकी गुफा में कोई शेर छिपा बैठा है।

चतुर सियार ने तुरंत एक उपाय सोचा। वह गुफा के भीतर नहीं गया। उसने द्वार से आवाज लगाई-

'ओ मेरी गुफा, तुम चुप क्यों हो? आज बोलती क्यों नहीं हो? जब भी मैं बाहर से आता हूँ, तुम मुझे बुलाती हो। आज तुम बोलती क्यों नही हो?'

गुफा मे बैठे हुए शेर ने सोचा, ऐसा संभव है कि गुफा प्रतिदिन आवाज देकर सियार को बुलाती हो। आज यह मेरे भय के कारण मौन है। इसलिए आज मैं ही इसे आवाज देकर अंदर बुलाता हूँ। ऐसा सोचकर शेर ने अंदर से आवाज लगाई और कहा -'आ जाओ मित्र, अंदर आ जाओ।'

आवाज सुनते ही सियार समझ गया कि अंदर शेर बैठा है। वह तुरंत वहाँ से भाग गया। और इस तरह सियार ने चालाकी से अपनी जान बचा ली।

गलैन वाली गाय

किमी एंगल भ एक मर रहता था। एक बार वह दिन-भर भटकता रहा, किंतु उसे न कहीं भी खाना नहीं मिला। थककर वह एक गाय के अंदर जाकर बैठ गया। उसने सोचा कि रात में कोई न कोई खाना अवश्य मिलेगा। मुझे उस भी भारकर में अपनी भूख मिटा करूँगा।
उस गाय का मालिक एक सियार था। वह रात में लौटकर अपनी गाय पर आया। उसने गाय के अंदर एक झाड़ में कपड़े के निशान देखे। उसने खून में देखा। उसने अनुमान लगाया कि मर अंदर तो गया, परंतु अंदर से बाहर नहीं आया। वह समझ गया कि उसकी गाय में कहीं मर छिपा बैठा है।
चतुर सियार ने तुरंत एक उपाय सोचा। वह गाय के भीतर नहीं गया। उसने दूर से आवाज लगाई-
'ओ भली गाय, तुम चुप क्यों? आज गलती क्यों नहीं है? रोज तो भीतर से आती है, तुम आज बोलती नहीं। आज तुम गलती क्यों नहीं है?'
गाय में बैठे झाड़ में न सोचा, ऐसा संभव है कि गाय प्रतिदिन आवाज देकर सियार को बुलाती है। आज वह भय के कारण मौन है। इसलिए आज मुझे उसे आवाज देकर अंदर बुलाना है। ऐसा सोचकर मर ने अंदर से आवाज लगाई और कहा -'आ जाओ मित्र, अंदर आ जाओ।'
आवाज सुनते ही सियार समझ गया कि अंदर मर बैठा है। वह तुरंत वहाँ से भाग गया। और उस चतुर सियार ने चालाकी से अपनी जान बचा ली।

अनुवाद - उर्मिला पांडे